प्रेषक,

शिक्षा निदेशक,(उ0शि0)
डिग्री विकास अनुभाग
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

सेवा में,

1- समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
उत्तर प्रदेश ।

2- समस्त प्राचार्य/ प्राचार्या,
राजकीय/ अशासकीय सहायता प्राप्त/ स्ववित्तपोषित महाविद्यालय,
उत्तर प्रदेश ।

पत्रांकः-डिग्री विकास/ 15145 /2020-21 दिनांक- 24/ 01 /2022

विषयः-गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2022 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा महोदय का संदेश विषयक ।

महोदय,

आगामी 26 जनवरी, 2022 को मनाये जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश, प्रयागराज, महोदय के संदेश की एक प्रति आपके पास इस आशय से प्रेषित है कि कृपया उक्त अवसर पर अपने संस्था/ महाविद्यालय/ कार्यालय में होने वाले समारोह में इस संदेश को पढ़कर सुनाने का कष्ट करें ।

संलग्नक-शिक्षा निदेशक(उ0शि0),उ0प्र0 के संदेश की प्रति ।

भवदीय,
24.01.22
डॉ0(कृष्ण चन्द्र वर्मा)
संयुक्त निदेशक,(उ0शि0)
कृते-शिक्षा निदेशक,(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

पृष्ठांकन संख्या-डिग्री विकास/ 15145-48 / उसी तिथि को ।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- कुलसचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश ।
2- निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लखनऊ ।
3- पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी, प्रयागराज ।

24.01.22
डॉ0(कृष्ण चन्द्र वर्मा)
संयुक्त निदेशक,(उ0शि0)
कृते-शिक्षा निदेशक,(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

Registrar

25/01/22

कुलसचिव जी,

कृपया की छायाप्रति निम्नलिखित के सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रस्तुत कर दी जाय:-

1- समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष/निदेशक/समन्वयक/इन्चार्ज।

2. समस्त प्राचार्य/प्राचार्या सहयुक्त म०वि०वि०।

3. कुलानुशासक।

4- परीक्षा नियंत्रक

5. ओ०एस०डी० आई०एम०एस०।

6. प्रो०इन्चार्ज इन्चार्ज औद्यौगिक संकाय।

7. कार्य अधीक्षक, निर्माण विभाग।

8. इन्चार्ज website को इस आशय के साथ प्रस्तुत कर दिया जाय कि समस्त को ई-मेल के माध्यम से प्रस्तुत करें।

9- गार्ड फाइल।

कृ० आदेशार्थ प्रस्तुत।

Neeraj
25.11.2022

25.11.2022.

गणतंत्र दिवस
26 जनवरी, 2022

<u>शिक्षा निदेशक,(उच्च शिक्षा)</u>
<u>उत्तर प्रदेश, प्रयागराज का संदेश</u>

भारतवर्ष के 73वें गणतंत्र के राष्ट्रीय पावन पर्व पर मैं आप सबका अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ । इस पुनीत अवसर पर मैं उच्च शिक्षा के समस्त प्राचार्यों, शिक्षकों, शिक्षाविदों, छात्र - छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सुधी अभिभावकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ । 26 जनवरी, 1950 को हमारा देश सम्प्रभुता सम्पन्न गणराज्य घोषित हुआ और देश में लोकतांत्रिक संविधान को अंगीकार किया गया । दीर्घकालीन परतंत्रता के पश्चात जिन अमर शहीदों और महापुरुषों के त्याग, बलिदान एवं संघर्ष के कारण यह स्वर्णिम अवसर हमें प्राप्त हुआ, उनकी अनमोल स्मृतियाँ तथा गौरव गाथाएँ हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था की बहुमूल्य धरोहर हैं । हमारे देश की स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों को मैं अपनी श्रद्धान्जलि अर्पित करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों तथा महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ तथा राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को नमन करता हूँ ।

राष्ट्रीय चेतना के ध्वजवाहक राष्ट्र के नागरिक ही होते हैं । नागरिकों की प्रगति एवं समृद्धि में ही राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि निहित होती है । देश के बहुआयामी विकास का मूलमंत्र शिक्षा है । शिक्षा मानव –जीवन को आलोकित कर व्यक्ति को प्रगित पथ पर अग्रसर करती है । उच्च शिक्षा नागरिकों को सही दिशा–बोध प्रदान करने के साथ ही राष्ट्र के चतुर्दिक विकास हेतु समर्पित जनशक्ति का सृजन करने वाली तथा रोजगार परक भी होती है । नवीन भूमण्डलीय परिस्थितियों एवं प्रतिस्पर्धाओं के अनुरुप उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना हमारा दायित्व है । "नई शिक्षा नीति-2020" इन उद्देश्यों की पूर्ति में मील का पत्थर सिद्ध होगी, जिससे न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दूरस्थ ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी होगा, जिससे जन जागरुकता के साथ-साथ इनके क्रियान्वयन में आसानी होगी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को सुचारू रूप से सम्पन्न किया जा सकेगा ।

- उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने हेतु प्रदेश में सहारनपुर, आजमगढ़ तथा अलीगढ़ में 03 नये राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा चुकी है ।
- महायोगी गुरू श्रीगोरक्षनाथ के लोकोपयोगी मन्तव्यों एवं उपदेशों को एकत्रित कर योगानकूल सिद्धांतों एवं प्रयोगों को जीवनोपयोगी कार्य तथा व्यवहार में परिवर्तित करने के

लिए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की स्थापना की गयी है। इस हेतु शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर संवर्ग के कुल 28 पदों का सृजन किया गया है।

- पं0 दीन दयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व, कृतित्व एव चिन्तन पर शोध कार्य हेतु प्रदेश के 15 राज्य विश्वविद्यालयों में 'पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ' की स्थापना की गयी है। इसके अतिरिक्त शोध कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में भाऊराव देवरस शोध पीठ तथा अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट आफ शैव फिलॉस्फी एवं एस्थेटिक्स की स्थापना की गई है। श्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर लखनऊ विश्वविद्यालय में 'अटल सुशासन पीठ' की स्थापना की गयी है तथा 'महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय रोजगार पीठ' की स्थापना की कार्यवाही गतिमान है। वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल साइन्स आफ स्टडी एण्ड रिसर्च तथा रिसर्च सेण्टर फार रिन्यूएबल एनर्जी एण्ड नैनो साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी की स्थापना की गयी है।
- प्रदेश सरकार द्वारा नवनिर्मित एवं निर्माणाधीन 69 महाविद्यालयों को सम्बन्धित विश्वविद्यालय के क्षेत्रान्तर्गत संघटक महाविद्यालयों के रुप में चलाये जाने हेतु सम्बन्धित विश्वविद्यालय को निर्देश दिये जा चुके हैं।
- स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर डी0ए0वी0 कालेज कानपुर, जहाँ उनके द्वारा शिक्षा ग्रहण की गयी, में सेण्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना हेतु सम्बन्धित महाविद्यालय को 5.00 करोड़ रुपये अवमुक्त किया गया था, जो महाविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण धनराशि का उपभोग कर लिया गया है।
- निजी क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि का मानक नगरीय क्षेत्र हेतु 40 एकड़ तथा ग्रामीण क्षेत्र हेतु 100 एकड़ निर्धारित था जिसे सरकार द्वारा संशोधित कर क्रमशः नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में 20 एकड़ एवं 50 एकड़ कर दिया गया हे। इस निर्णय से प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना अधिक संख्या में हो सकेगी तथा गुणवत्तापरक स्किल डेवलपमेण्ट युक्त शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।
- सामान्य वर्ग में आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों के लिये अध्ययन के सभी पाठ्यक्रमों में उपलब्ध कुल सीटों के सापेक्ष अधिकतम 10 प्रतिशत का आरक्षण तथा दिव्यांगजन के लिये प्रवेश हेतु सीटों का आरक्षण एवं ऊपरी आयु सीमा में छूट प्रदान की गयी है।
- विश्वविद्यालयों से महाविद्यालयों की सम्बद्धता प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की दृष्टि से महाविद्यालयों की सम्बद्धता हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत अरुणांचल प्रदेश एवं मेघालय राज्यों के साथ उत्तर प्रदेश का एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है जिसके माध्यम से युग्मित राज्यों के मध्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान किया जा रहा है।

- उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या- 49 के द्वारा प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय में प्राचार्य के 290 पदों के सापेक्ष चयनित प्राचार्यों का आसन व्यवस्था की प्रक्रिया आनलाइन पूर्ण की जा चुकी है ।
- राजकीय कृषि महाविद्यालय हरदोई, राजकीय महिला महाविद्यालय अहरौला आजमगढ़ एवं राजकीय महाविद्यालय कटरा चुग्घूपुर, सुल्तानपुर के भवन निर्माण के पश्चात् हस्तान्तरण की प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है ।
- प्रदेश में प्रथम बार पुस्तकालय के संग्रह में लगभग सभी विषय क्षेत्रों से सम्बन्धित हिन्दी, अग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, अरबी, फारसी, बंगल, फ्रेन्च व अन्य भाषाओं में पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है । पुस्तकालय के संग्रह में विभिन्न विषयों में लगभग 1.25 लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं ।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों मे स्थित 120 राजकीय महाविद्यालयों में पुस्तकालयों हेतु 1080 प्री-लोडेट टैबलेट उपलब्ध कराने हेतु 480.00 लाख के बजट का प्रावधान किया गया है ।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रदेश के तहसील/ ब्लाक स्तर पर संचालित 120 राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क विकसित किये जाने हेतु प्रत्येक राजकीय महाविद्यालय में 05 कम्प्यूटर उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा रुपये 480.00 लाख के बजट का प्रावधान किया गया है
- प्रदेश मे प्रथम बार शिक्षकों/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का पूर्ण विवरण संग्रहीत करने हेतु 'मानव सम्पदा पोर्टल' की स्थापना की गयी है जिसमें शिक्षकों/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के समस्त विवरण उपलब्ध हैं ।

1. **विशेष डिजिटलाइजेशन अभियान**- उत्तर प्रदेश सरकार विशेषकर पिछड़े क्षेत्र के निर्धन, वंचित छात्र/छात्राओं को शिक्षण कार्य से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है । ऐसे में प्रदेश के 172 राजकीय महाविद्यालयों में से तहसील/ ब्लाक स्तर पर संचालित 120 राजकीय महाविद्यालयों में जिनमें अधिकांश छात्र ग्रामीण अंचल के पिछड़े एवं वंचित तबके के हैं, इन साधन विहीन छात्रों को आधुनिक शिक्षण तकनीक से शिक्षण सुविधा प्रदान करने एवं डिजिटलाइजेशन की ओर उन्मुख करने हेतु राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क, वाईफाई, एवं इण्टरनेट एक्सेस की सुविधा प्रदान करके इन ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को आनलाइन शिक्षण सामग्री ई-कन्टेन्ट, डिजिटल लाईब्रेरी के उपयोग, विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, वेबिनार आदि अनेको उपयोगी एवं आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर उनका बहुमुखी विकास किया जा सकता है।
2. **मिशन शक्ति**- मिशन शक्ति का तृतीय चरण वर्तमान में प्रचलित है, जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहभागिता, सम्मान एवं आत्मसुरक्षा तथा पॉक्सों एक्ट, महिलाओं से संबंधित कानूनों का वृहद् प्रचार–प्रसार करने के लिए एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है ।

3. **कोविड-19**-कोविड 19 से बचाव हेतु उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से बचाव हेतु पर्याप्त प्रचार- प्रसार समस्त शिक्षण संस्थाओं के कार्यालयों में कोविड-19 हेल्प डेस्क स्थापित किये गये, छात्र/ छात्राओं अभिभावकों शिक्षकों एवं कर्मचारियों को आरोग्य सेतु ऐप एवं आयुष कवच ऐप डाउनलोड कर अपडेट करते रहने के लिए प्रेरित किया गया एवं कोविड-19 के टीकाकरण में प्रतिभाग करने हेतु प्रचार प्रसार किया जा रहा है ।

समय और परिस्थिति के अनुरुप शिक्षा व्यवस्था के क्रियान्वयन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक है । वर्तमान परिवेश में नई पीढ़ी को नई दृष्टि और नई दिशा प्रदान करना शिक्षकों का ही दायित्व है । मैं प्रदेश की नई पीढ़ी को तराशने में सलंग्न विद्वान प्राध्यापकों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों का इस पावन पर्व पर आवाहन करता हूँ कि भारत को महाशक्ति के रुप में स्थापित करने के लिए युवा पीढ़ी में अपने अर्जित ज्ञान के प्रत्यारोपण में सन्नद्ध हो जायें । साथ ही इस शुभ अवसर पर मैं छात्र-छात्राओं का आवाहन करता हूँ कि वे अपनी पूर्व पीढ़ियों से प्राप्त समुन्नत ज्ञान–राशि को आत्मसात कर नैतिकता, सदाचरण, गुरुजनों के प्रति सम्मान की भावना के साथ अध्यवसाय पूर्वक विद्यार्जन करते हुए देश के प्रबुद्ध, सचेत एवं समर्पित नागरिक बनें तथा समय के साथ विविध प्रकार की चुनौतियों का सामना करने हेतु स्वयं समर्थ बनें और एक समृद्ध व शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाएं ।

गणतंत्र दिवस की इस पावन बेला पर मैं एक बार पुनः उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत समस्त अधिकारियों, प्राचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सुधी अभिभावकों को हार्दिक बधाई देता हूँ । मेरी शुभकामना है कि आपके सार्थक और अथक परिश्रम से हमारा प्रदेश तथा देश उन्नति के प्रगति पथ पर उत्तरोत्तर अग्रसर हो ।

जय हिन्द ।
जय भारत ।।

डॉ0(अमित भारद्वाज)
शिक्षा निदेशक,(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज